विश्व वाणी

समर्पण

Rs. 10/- | Vol. 37 - Issue 01
Dec. 2023 & Jan. 2024
Combined Issue

सुसमाचार बड़ा आनन्द लाता है

लूका 2:10

DEC'23
& JAN'24
Combined

विश्ववाणी समर्पण

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 0129–4838657
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 040–27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विषय सूची

02 मनन के विषय
03 कार्यकारी निर्देशक...
07 यह कैसे बड़े आनन्द का...
10 विशेष आकर्षण
18 नेटवर्क चेयरमैन...
21 बाइबल अध्ययन
23 प्रेयर नेटवर्क निर्देशक...
27 कार्यक्षेत्र के समाचार

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है। वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

भाई एमिल जेबासिंह के

मनन के विषय

➪ शैतान की ओर से आनन्द पर पाप की परत चढ़ाया जाता है (लूका 4:5,6),
यीशु की ओर से आनन्द पर लहू की परत चढ़ाया जाता है।

➪ पाप की ओर से दी गई आनन्द मौज है,
व स्वयं से दी गई आनन्द खुशहाली है।
मौज की पहुँच आँखों तक होती है, जबकि आनन्द की चरम सीमा आँसू है।
मौज को असानी से प्राप्त करते हैं, लेकिन वास्तविक आनन्द के लिए हमें घूटनों में आने की आवश्यकता है।

➪ जब तक हमारे पास बुद्धि है, तो उससे हमें चुभन होती है, और हमें कोई आनन्द प्राप्त नहीं होता है,
उसी तरह जब तक यीशु के लहू का हमारे जीवन में छिड़काव नहीं होता है,
तब तक यह चुभन हमारे जीवन में नहीं जाती है।

➪ जिन्होंने सुसमाचार को ग्रहण किया है वे आनंदित हैं,
जिन्होंने सुसमाचार को फैलाया है, वे भी आनन्दित हैं,
जिन्होंने सुसमाचार सेवा में भाग लिया, वे भी आनंदित है,
यह असीमित आनन्द अन्त में एक साथ आनन्द का स्वामी बनाता है।

➪ शिमसोन जब रास्ते में भटक चूका था, तो उसने जाना कि डिलैलाह में कोई भी आनन्द नहीं है,
ऊड़ाऊ पुत्र ने जब सारा सम्पति व्यर्थ कर दिया तो उसने जाना कि दोस्तों के साथ कोई भी आनन्द नहीं है।
धनवान व्यक्ति अपने मृत्यू के बाद जाना कि धनवान की प्रसिद्धि कुछ भी नहीं है,
लेकिन लाजर ने इसे काफी जल्द ही जान लिया।

➪ पिता परमेश्वर के द्वारा क्रूस पर लिखा गया है कि जो तेजी से सुसामचार फैलाता है,
उसके द्वारा प्राप्त आनन्द निश्चित है।
जब आप इसे दोनों हाथ से बटोरते हैं तो आप जीवित रहेंगे
और यदि आप इसका इन्कार करते हैं, तो आप विलाप करेंगे।
सब कुछ आनन्द ही आनन्द हो, तो यह हृदय का परिवर्तन है। यही परमेश्वर का नियम है।

कार्यकारी निर्देशक की ओर से पत्र...

मैं हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम से आप सभी को एक धन्य और आन्नदमय क्रिसमस और नए साल की हार्दिक बधाई देता हूँ।

इस वर्ष के 11वें महीने बहुत तेजी से बीत गए। अब हम हर्षोल्लासपूर्ण क्रिसमस समारोह और आशीषित नव वर्ष की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परमेश्वर ने हमारे परिवारों और विश्ववाणी सेवाओं लिए जो आशीषें प्रदान की हैं, हम उसे कभी गिन नहीं सकते! इस वर्ष के अंतिम कुछ दिन, ऐसे दिन होंगे जब हम धन्यवाद के साथ प्रभु के चरणों में बैठेंगे और धैर्यपूर्वक उसके ईश्वरीय नेतृत्व की प्रतीक्षा करेंगे। शांत हो जाओ और जान लो कि मैं ही परमेश्वर हूँ! जब हम परमेश्वर की इच्छा पूरी करते हैं तो हमारी सेवकाई पूरी भलाई और सुरक्षा के साथ फलेगी–फूलेगी।

आज आपके लिए उद्धारकर्ता जन्मा है:

यीशु मसीह का जन्म एक विशेष घटना है जो हमें यह अनुभव कराती है कि परमेश्वर मानव जाति से दूर नहीं बल्कि इम्मानुएल के रूप में हमारे बहुत निकट हैं।

इस दुनिया में कई लोग जन्म लेते हैं और हर जख्म खाश होता है। कुछ लोगों के जन्म से पूर्व से ही दुनिया कायम है। लेकिन यीशु मसीह का जन्म उन सभी से ऊपर है क्योंकि इसने पाप के अंधकार को दूर किया है और दुनिया को सच्चे प्रकाश से प्रकशित किया है। मानव जाति को छुटकारा दिलाने के लिए परमेश्वर मनुष्य बन गया। आन्नद लाने वाली इस सबसे बड़ी खुशखबरी को दूनिया भर में क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है।

यीशु के प्रथम आगमन की भविष्यवाणी:

यीशु के प्रथम आगमन के संबंध में भविष्यवाणियाँ सदियों पहले ही कर गई थीं (उत्पति 3:15,यशा.7:14, मीका 5:2)। यीशु के जन्म के बारे में सबसे पहले स्वर्गदूतों द्वारा उसकी माँ मरियम को बताया गया था। यह चौंकाने वाली और आश्चर्यजनक खबर थी। इसके पश्चात् इसकी सूचना यीशु के पिता युसूफ को दी गयी। वह पहले इस समाचार को स्वीकार करने में झिझक रहा था! बाद में उसने परमेश्वर की इच्छा का पालन किया। तब यह शुभ समाचार चरवाहों तक फैल गया। आज इसे पूरी दुनिया के लोगों के साथ बांटा जाता है। यीशु के जन्म के गवाह भविष्यद्वक्ताओं और स्वर्गदूतों की तरह, हम भी इस सच्चाई और इतिहास को प्रचार करने के लिए बाध्य हैं।

संसार के लोगों के लिए यीशु का उद्देश्य:

मत्ती 1:21 कहता है कि यीशु अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा। हम यूहन्ना

3:16 में पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम किया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसे अनन्त जीवन मिलेगा और वे अपने पापों में न मरें। इब्रानियों 8:6 से पता चलता है कि पिता जो धर्मी है और हम जो अधर्मी हैं, उनके बीच यीशु मध्यस्थ है। 1पतरस 1:18–19 बताता है कि क्रूस पर मरना और मानव जाति के लिए अपना खून बहाना उद्धार के लिए परमेश्वर की आदर्श योजना थी। इसलिए यीशु मसीह पापियों को बचाने के लिए दुनिया में आए (1तीमु. 1:15)। यह सत्य एवं स्वीकार्य है।

सुसमाचार जो अत्यंत आन्नंद लाता है:

जब हम लूका 2:1–18 पढ़ेंगे तो हम उस खुशी का आन्नद ले सकेंगे जो यीशु मसीह के जन्म पर देखी गई थी। हम विशेष रूप से जर्कयाह (लूका 1:13), मरियम (लूका 1:30), यूसुफ (मत्ती 1:20, 2:13,14) और अंत में उन चरवाहों (लूका 2:10) के लिए प्रोत्साहन के शब्द बार–बार पढ़ते हैं जिनसे कहा गया था "डरो मत" सुसमाचार महान शांति का संदेश है जो बड़े भय को दूर करता है और वर्तमान स्थिति में भी हमें साहस देता है (लूका 2:10–11)। वे सभी जो इस संदेश को विश्वास के साथ स्वीकार करते हैं, अत्यधिक आन्नद से भर जाते हैं।

मेरा समय आपके हाथ में है:

हम बहुत खुशी से भरे हुए हैं क्योंकि हम एक और नए साल में प्रवेश करने जा रहे हैं। दूसरी ओर हम भय, भ्रम और अविश्वास से भी भरे हुए हैं क्योंकि नये साल में आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हमें नये साल का सामना परमेश्वर के वचन के अनुसार करना है। भजनकार ने भजन 31 में उदाहरण/उद्धरण दिया है।

- हर समय परमेश्वर की शरण में रहें (भजन सं.31:1, 26:3,4)
- प्रभु हर समय आपका नेतष्त्व करेगा (भजन सं.31:3, 58:11)
- प्रभु आपको शत्रुओं के हाथ से बचाएगा (भजन सं.31:8, 43:1,2)
- आपका समय ईश्वर के हाथ में है (भजन सं.31:15, 46:3,4)
- परमेश्वर भली चीजें देता है जो अद्भूत होती हैं (भजन सं.31:19, 60:22)
- परमेश्वर के प्रति सच्चे बने रहें (भजन सं.31:23, 44:21,22)
- दृढ़ बने रहें और हिम्मत रखें (भजन सं. 31:24, 40:28–31)

ऊपर बताए गए जीवित वचनों को पढ़ें। उनसे प्रेम करें, उन पर विश्वास करें और उनका पालन करें। तब नये साल के सभी दिन आशीषित, आन्नदमय और शांति से पूर्ण होंगे। नए साल के सभी दिनों में प्रभु आपको भरपूर आशीष दें।

कार्यक्षेत्रों में प्रथम क्रिसमस समारोहः

जब पाप के अंधकार में बंधे लोगों के जीवन में यीशु मसीह की रोशनी चमकती है, तो लोगों का जीवन बदल जाता है। नये विश्वासियों के हृदय और घर बदल जाते हैं। उन्हें मसीह मे अत्यधिक आन्नद और शांति प्राप्त होती है। जब उन विश्वासियों की संख्या 10 तक पहुँच जाती हैं जो वचन पढ़ना और प्रति सप्ताह वचन सुनना पसंद करते हैं, तो उनके लिए एक आराधना सूमह आरम्भ किया जाता है। परमेश्वर का वचन उन सभी को ठीक प्रकार से सिखाया जाता है जो पेड़ों की छांव के नीचे या विश्वासियों के घरों में इकट्ठा होते हैं।

इस क्रिसमस के दौरान 147 कार्य क्षेत्र मे पहली बार क्रिसमस उत्सव मनाने जा रहे हैं। आपकी प्रार्थना और भागीदारी से हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम रहे हैं। क्रिसमस के लिए आप जो विशेष दान देते हैं वह विश्ववाणी मिशनरियों को भेजा जाता है और वे दान उन्हें और अधिक प्रोत्साहित करते हैं। स्वर्ग में आपके लिए बड़ा प्रतिफल मिलेगा। हाल्लेलय्याह।

प्रतिदिन नए विश्वासी जुड़ रहें हैं और कलीसियाएं बढ़ रही हैं!

प्राचीन काल में प्रभु प्रतिदिन विश्वासियों को कलीसिया में लाता था। इसी तरह, आज भी हमारी इच्छा है कि आराधना भवनों की संख्या बढ़ती जाए और आत्माएं भी बढ़ती चली जाएं और उन तक पहुँचने के लिए ही हम बुलाए गये हैं।

कृप्या 2833 बाइबल अध्ययन समूहों के लिए प्रार्थना करें उनके लिए जो उत्तर भारत के 5 प्रातों के 3126 गाँवों में आयोजित होते हैं, 1105 आराधना समूह और 7541 लोग जो अपने विश्वास को स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं।

सेवकाई के लिए पूर्वी और पूर्वीत्तर भारत के 3 प्रांतों के 2984 गाँवों को चिन्हित किया गया है। हम 2075 बाइबल अध्ययन समूहों के माध्यम से गठित 750 आराधना समूहों क लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं। कृप्या 2294 प्रथम पीढ़ी के विश्वासियों के लिए मध्यस्थता करें जो बपतिस्मा सभाओं के लिए तैयार हो रहे हैं

कृप्या पश्चिम और दक्षिण भारत के 4314 गाँवों में चलायी जा रही सेवा के लिए प्रार्थना करें। कृप्या अपनी प्रार्थनाओं में 2839 बाइबल अध्ययन समूह और 1419 आराधना समूहों को स्मरण रखें। एक परिवार के रूप में 2608 लोगों के लिए मध्यस्थता करें जो मसीह में अपना विश्वास स्वीकार करने जा रहे हैं। इन बढ़ते आराधना भवनों/कलीसियाई को आध्यात्मिक रूप से परिपक्व बनाने के लिए प्रार्थना करना जारी रखें।

यदि आप सक्षम हैं तो हमारा सहयोग करें

जब आप हमारी सेवकाई के दर्शन को गति देते हैं, हमें सेवा के सहयोगियों को

धन्यवाद देने और आपकी सराहना करने की आवश्यकता है। इस कार्य में आपकी भागीदारी उल्लेखनीय है क्योकि इसी ने संस्था को यहाँ तक पहुँचाया है। हमारा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप आगे भी लंबे समय तक हमारे साथ अवश्य यात्रा करें, भले ही आप छोटे स्तर पर ही शामिल हों। हमारा अनुरोध है कि आप अपने परिवार के सदस्यों को पीढ़ियों तक इस अच्छे काम में अवश्य शामिल करें।

हम आपको बताना चाहते हैं कि बचत बॉक्स के माध्यम से दिया जाने वाला दान, गाँवों के लिए मासिक दान, आराधना भवन निर्माण कार्य के लिए विशेष दान सेवा के लिए अत्यधिक लाभकारी हैं। कष्या हर महीने 4000 रूपये दान करने और सुसमाचार प्रचार कार्य में सहयोग करने के लिए आगे आएं। प्रभु आपको भरपूर आशीष दें।

"आकाश में परमेश्वर की महिमा, और पष्थ्वी पर उन मनुष्यों में जिन से वह प्रसन्न है, शांति हो"(लूका 2:14)।

चैन्नई
21 नवंम्बर 2023

मसीह में आपका
रेव्ह. डॉ. विल्सन ग्नानाकुमार

चार राज्य कैंप

जहाँ विश्वासी सुसमाचार कार्य की भलाई के लिये एकत्रित हुए

उत्तर भारत
राज्य कैंप 2023
अक्तूबर 22–24
ध्याना निलायम, हैदराबाद

ओडिशा
राज्य सभा 2023
अक्तूबर 23–25
थिरूवल्ला, केरल

महाराष्ट्र
राज्य कैंप 2023
नवम्बर 10–12
कोर्टालम, तमिलनाडू

गुजरात
राज्य कैंप 2023
नवम्बर 17–19
ध्याना निलायम, हैदराबाद

यह कैसे बड़े आनन्द का सुसमाचार है?

प्रियों

आपको क्रिसमस की बहुत बहुत शुभकामनाएं! दिसम्बर माह सम्पूर्ण विश्व के लिये बड़े हर्ष व उल्लास का माह है, क्योंकि इसी माह जगत के प्रभु व उद्धारकर्ता का जन्म दिवस आता है, सर्वप्रथम यह सन्देश स्वर्गदूत के द्वारा रात में चरवाहों के पास आया कि **"मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ"** जो कि सब लोगों के लिये होगा, हाँ प्रियों इसी विषय के साथ यह अंक आप तक पहुँच रहा है, अतः इसी बड़े आनन्द के सुसमाचार को लेकर विश्ववाणी के सेवक दुर्गम क्षेत्रों में पहुँच रहे हैं, यह हर्ष का विषय है, ऐसे भी घर व गाँव है जहाँ पहली बार प्रभु की आराधना, क्रिसमस पर होगी, इसलिये कार्यक्षेत्रों में जाने वालों को, भेजने वालों को व प्रार्थना सहयोंगियों को सभी को प्रभु इस अवसर पर आशीषित करे, साथ ही यह क्रिसमस आप सभी के लिये बड़े हर्ष व प्रभु यीशु के नजदीक आने का समय है

क्रिसमस को बड़ा दिन भी कहते हैं, तो इस पावन अवसर पर उन मुख्य बिन्दुओं पर थोड़ा ध्यान करेंगे, जो संसार में बड़ा आनन्द लेकर आती है; अर्थात् यह कैसे बड़े आनन्द का सुसमाचार है? यह किसका सुसमाचार है?

- *सुसमाचार का माध्यम*
- *सुसमाचार का समय*
- *सुसमाचार का विशय*

यों तो हम विभिन्न माध्यमों से प्रतिदिन समाचार सुनते रहते है, किन्तु मानव के इतिहास में बड़े दिन के बड़े आनन्द का सुसमाचार कुछ विशेष अन्दाज में स्वर्गदूतों के द्वारा पहुँचा, इसलिये आज भी यह सुसमाचार उतना ही प्रभावशाली है, जितना चरवाहे के पास प्रभु के जन्म के दिन में था। परमेश्वर पिता ने अपने स्वर्गीय सन्देश को जबकि उनका पुत्र धरती पर पैदा हुआ है, **स्वर्गदूत के द्वारा** पहुँचाया । स्वर्गदूत जो कि परमेश्वर के साथ, स्वर्गीय सेवा में कार्यरत रहते हैं, जिन्हें परमेश्वर पिता अपनी महिमा व सेवा में उपयोग करता है। वैसे तो संसार में सन्देश पहुँचाने के लिये अनेकों माध्यम है, आज के युग में तो कुछ ज्यादा ही है। तौभी परमेश्वर को भाया कि अपने प्रिय पुत्र अर्थात् यीशु

मसीह के जन्म दिन का सुसमाचार स्वर्गदूतों के जरिये संसार में पहुँचाये, क्योंकि यह बड़े आनन्द का सुसमाचार है। यहाँ पर हम एक बात और देखते हैं स्वर्गीय सन्देश को सुनाने वाला दूत है, जैसे कि स्वर्ग से पृथ्वी पर बड़े आनन्द का सुसमाचार स्वर्गदूत के जरिये पहुँचा, ठीक वैसे ही एक मनुष्य द्वारा दूसरे मनुष्यों के पास, एक गाँव से दूसरे गाँव में सुसमाचार पहुँचाने के लिये प्रभु के सेवक उसके सुसमाचार के दूत है, पवित्रशास्त्र कहती है, "इसलिये हम मसीह के राजदूत हैं " (2कुर. 5:20)। जीहाँ, जो उसके सुसमाचार कार्य में संलगन है, अर्थात् इस मेलमिलाप की सेवा में लगे हुये हैं, उन्हें प्रभु राजदूत कहता है। आत्मिक भेदों के राजदूत तो इस अनुग्रह के समय व्यर्थ न जाने दें।

फिर हम सन्देश के **समय को देखते हैं,** कि कब यह चरवाहों के पास पहुँचा, जो कि अपना झूण्ड का पहरा दे रहे थे, **रात के समय** यह सन्देश पहुँचा। प्रियों रात्रि क्या प्रगट करती है? अर्थात् अन्धकार का समय व अन्धकार के कार्य जो कि इस संसार में होते हैं, जीहाँ प्रियों, यह बड़े आनन्द का सुसमाचार है कि ऐसे अन्धकार में डूबे संसार व मानव के लिये परमेश्वर ने अपने बेटे को संसार में भेजा। शाऊल जो कि पौलुस बन गया था, कैसे कलीसियाओं को सताया करता था वह बुरी तरह से अन्धकार में खोया हुआ था किन्तु दमिश्क के मार्ग में जब प्रभु यीशु से उसकी मुलाकात हूई, अर्थात् उसने प्रभु की ज्योति देखी, उसकी अवाज को सुना, तो उसके पश्चात वह रूपान्तरित हो गया। क्या आज भी आप किसी ऐसे अन्धकार के वश में हैं जिसके चलते प्रभु की वास्तविक संगति से दूर पड़े हुए है? प्रियों चाहे थोड़ा या ज्यादा अन्धकार, अन्धकार ही होता है, शरीर के कामों में ज्यादा लगे हुये हैं तथा आत्मा के कार्य व फलों से जीवन रहित है, जीहाँ किसी भी दशा में क्यों न हों, यह क्रिसमस के बड़े आनन्द का सुसमाचार संसार में सभी मानव के लिये है क्योंकि वह सभी से प्रेम करता है, वह सभी का सृष्टिकर्ता है, तो आइये हम अपने मनों को खोलकर प्रभु को अधिकाई से अपने हृदय में बसने दें, यदि अभी तक ईश्वर को बिना जाने जी रहें हैं तो प्रभु को ग्रहण करें, साथ ही इस अन्धकारमय संसार में प्रभु के सन्देश को उन तक पहुँचायें जो कि इससे रहित हैं।

अब हम पुनः तीसरे विन्दु पर आते हैं कि क्रिसमस सन्देश बड़े आनन्द का सुसमाचार क्यों है? जिसका कि वर्षों से इस्राएली लोग इन्तजार कर रहे थे, जिसके विषय में भविष्यद्वाणी हूई थी जो कि पवित्रशास्त्र में पाई जाती है "आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक **उद्धारकर्ता जन्मा** है" (लूका 2:11)। इसके जन्म की भवष्यिद्वाणी "हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ है और उसका नाम

अद्भूत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर अनन्तकाल का पिता और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा" (यशायाह 9:6), उसके नाम की भविष्यद्वाणी (यशा. 7:14) आगे प्रभु के जन्म होने से पूर्व प्रभु के नाम को उसकी माता मरियम को दिया गया। " तू उसका नाम यीशु रखना (लूका 1:31) युसुफ को स्वर्गदुत द्वारा यीशु का नाम जन्म के पूर्व दिया गया, " वह पुत्र जनेगी और उसका नाम यीशु रखना क्योंक वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा। " (मत्ती 1:21) फिर हम पढ़ते हैं आज तुम्हारे लिये उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।" (लूका 2:11)।

तो प्रियों यों तो दुनियाँ में बड़े बड़े दार्शनिक विद्वान, ज्ञानी, राजा अच्छे अच्छे डॉक्टर, इंजिनियर इत्यादि अनकों विशेषज्ञ आज भी पाये जाते हैं, किन्तु 2023 वर्षों पूर्व बड़े आनन्द का सुसमाचार स्वर्गदूत के जरिये पहुँचा, उद्धारकर्ता, व मुक्तिदाता, प्रभु ने धरती पर मानव देह में जन्म लिया है, यही सबसे बड़ा आनन्द का सुसमाचार मानव के लिये है।

जीहाँ जो प्रभु को सच्चाई से व दीनतापूर्वक विश्वास के साथ मन से ग्रहण करता है वह उद्धार पाता है। (रोमियों 10:9—10) तो क्यों न इस क्रिसमस पर अपने उद्धारकर्ता यीशु को अधिकाई से अपने हृदय में प्राप्त करके तथा उसके दूत बनकर इस उद्धार के सन्देश को दूसरों तक पहुँचायें? जीहाँ जब एक आत्मा बचती है तो स्वर्ग में बड़ा आनन्द मनाया जाता है, जीहाँ, प्रभु का यह आनन्द, प्रभु को ग्रहण करने में है, साथ ही उसके सन्देश को बाँटने में भी है यदि प्रभु के बारे में लोगों से बातचीत करते रहेंगे, तो हमारा आनन्द बना रहेगा व बढ़ता जायेगा।

इसके साथ ही अब जब नववर्ष 2024 में प्रवेश होंगे तो यह भी भविष्यद्वाणी हूई थी कि हमारे प्रभु का नाम इम्मानूएल रखा जायेगा, जिसका अर्थ है "परमेश्वर हमारे साथ है" (मत्ती 1:23) हमारा जीवित प्रभु पूरे वर्ष भर आपके साथ साथ रहेंगे, व आपको आशीषित करेंगे किन्तु यदि हम सुसमाचार के अन्तिम आदेश की शिक्षा में बने रहेंगे, तो प्रियों यीशु नाम के उद्धार के कार्य में सुसमाचार सुनाने की पहल जारी रखें, वचन के अनुसार सन्देश इम्मानुएल आपके साथ साथ रहकर मार्गदर्शन करते रहेंगे। आमीन्

नई दिल्ली
02.12.2023

प्रभु में आपका भाई
आनन्द सिंह

सुसमाचार आनन्द देता है

प्रियों,
एक व्यक्ति ने कहा,
"मैं कहाँ आनन्द पाऊँगा, यह किसके पास है?
यदि वे इसके लिए जितना भी पैसा माँगेंगे, मैं दूंगा'
यदि वे देने से इन्कार भी करेंगे तो मैं चोरी कर लूँगा, क्योंकि मेरी प्राथमिक आवश्यकता आनन्द है। "
एक लेखक ने कहा,
" मनुष्य आनन्द को इस संसार में खोजते हैं,
यद्यपि वे इसको बहुत लंबे समय तक खोजेंगे, परन्तु वे नहीं पाऐंगे"
शांति और आनन्द मानव जाति की प्राथमिक आनन्द है!
परमेश्वर जिसने सब प्रकार के मूलभुत आवश्यकताओं जल, वायु, और प्रकाश को मुफ्त में बनाया,
उसने मनुष्य के लिए शांति और आनन्द को भी मुफ्त बनाया,
जो यीशु मसीह के नाम के द्वारा मिलता है।
जब तक आप इस नाम को स्वीकार नहीं करते हैं,
शांति और आनन्द आपका नहीं हो सकता है–
यह रचना यही दर्शाता है।

हो सकता है कि बाँबीमेंक फैरिन को आप जानते हों
वह एक अमेरिकन गायक व लेखक था,
उन्होंने जितने गीत लिखे हैं, उनमें से निम्नलिखित गीत बहुत ही महत्वपूर्ण है,
"चिन्ता न करें आनन्दित रहें"
सन् 1988 में राष्ट्रपति चुनाव के समय में,
उनके देश के सम्पूर्ण लोगों ने इस गीत को गाया।
जब जाँर्ज डब्लयू बुश के पिता, जज एच जाँर्ज डब्लयू बुश चुनाव में खड़े थे,
उन्होंने इस गीत को अपने मुख्य गीत के रूप में गाया,
उनके इस चुनाव युद्ध के समय,
इस गीत ने पूरे संसार के लोगों को कायल किया।
लेकिन इस गीत के लेखक
बाँबीमेंक फैरिन– के लिये यह कुछ भी अर्थपूर्ण व आनन्ददायक नहीं था।
जितने इसे गाया, और फैलाया "चिन्ता न करें आनन्दित रहें"
और उसने आत्महत्या कर अपनी जान दे दिया!
आज समूचे विश्व में 245 राष्ट्र से भी ज्यादा है।
किन्तु किसी के पास शांति व आनन्द नहीं है!
मालदीव हमारा पड़ोसी राष्ट्र है।
यह धनवान पड़ोसी राष्ट्रों में से एक है! परन्तु यहाँ कुछ शंति नहीं है,

30 वर्षों की तानाशाही शासन के पश्चात अभी अभी प्रजातांत्रिक चुनाव किया गया।
एक नया राष्ट्रपति आया– किन्तु वहाँ पर शांति नहीं है!
आज भी उनलोगों में भय बना हुआ है– कि मालदीव समुद्र में डूब जाएगा!
समुद्र के किनारे 1200 के लगभग द्वीप फैला हुआ है,
लगभग 4 लाख जनसंख्या है और उनका डर यह है कि –
यदि एक और सुनामी आएगा तो कितने द्वीप पानी के अन्दर होगा!
मालदीप समुद्र तट से मात्र तीन फुट ही ऊपर है।
इस समाचार को आप रोज सुन सकते हैं।

संक्षेप में कहे तो आज व्यक्तिगत, पारिवारिक,
शहरों में, राष्ट्रों में कहीं पर शांति व आनन्द नहीं है!
प्रभु यीशु इस जगत में आया कि वह मुझको, आपको और उन सब को जो परमेश्वर का वचन पढ़ते हैं,
और उन सबके लिये जो इस संसार में हैं।
इस उदाहरण के माध्यम से हम यह जान सकते हैं कि शांति और आनन्द केवल प्रभु यीशु मसीह में है।

प्रभु यीशु ने कहाः "मेरा आनन्द!" (यूहन्ना 15:11)

प्रियों
सच्चा आनन्द, झूठे आनन्द से भिन्न है,
मजा (संसारिक आनन्द), आनन्द से अलग है;
क्षणिक आनन्द अलग होता है, और अनन्त आनन्द अलग होता है,
सच्चा आनंद संसारिक आनन्द से उत्तम होता है!
वह आनन्द जो कि मूसा ने जलती हूई झाड़ी में पाया था,
न तो वह राजा के सामने झूका और न ही अपने सुसराल में !
उसने हर राज्य के आनन्द को दूर फेंक दिया, वे "सब पाप का आनन्द" था (इब्रानियों 11:25)
उत्पत्ति 3 अध्याय में शैतान ने पाप के आनन्द के विषय में हव्वा को बताया,
और लूका 4 अध्याय के 6 और 7 पद में यीशु को बताया!
यीशु ने उन सब को उपर उठाया है, जो इस तरह के पाप में गिरे हुए थे,
यही वास्तविक आनन्द है! यीशु ने कहा " अपना आनन्द तुम्हें देता हूँ।
निश्चय उसने मनुष्य जाति के दुःख को अपने उपर ले लिया, और
उसने स्वर्गीय आनन्द दिया!

प्रियों!
जब तक संसार के मनुष्य परमेश्वर के वचन नहीं जानते हैं, उनके पास संसारिक आनन्द होता है,
जब वे परमेश्वर के वचन को जान जाते हैं, तब वे वास्तविक आनन्द को पा लेते हैं!

यह वह आनन्द है जिसे प्रभु यीशु ने कहा, "मेरा आनन्द"

हाँ, यही पापों की क्षमा का आनन्द है,

प्रियों,

त्यौहारों का आनन्द, पापों की क्षमा के आनन्द से भिन्न है!

त्यौहारों का आनन्द सबके लिये है, परन्तु पापों की क्षमा का आनन्द केवल उन लोगों के लिये है

जिनके हृदय में यीशु रहते हैं, त्यौहार हमें कुछ अलग प्रकार का आनन्द देता है।

जैसे भोजन, वस्त्र साज सज्जा, रिश्तेदार जमघट और पटाखों का शोर

परन्तु जब त्यौहार खत्म हो जाता है, आनन्द भी खत्म हो जाते हैं।

किन्तु वास्तविक आनन्द हमेशा के लिये होता है, और यह हृदय के ऊपर आश्रित होता है!

जब लोग पूछते हैं कि "आप कैसे हैं?" तो इसका जबाब हम तुरन्त ही देते हैं परन्तु "क्या आप आनन्दित है?"

इस सवाल का उत्तर केवल हृदय से निकलता है!

जब हृदय के अन्दर दूर्गन्ध होता है, वह बीमारी होता है,

परन्तु जब शुद्धता होती है, तब आनन्द होता है!

इस संसार में सबने पाप किया और वह गिर चुके है।,

केवल यीशु मसीह के पास ही पापों की क्षमा का अधिकार है,

जो वास्तविक आनन्द दे सकता है, जैसा मनुष्य जाति आशा करते हैं!

वह आनन्द है– पापों की क्षमा!, जिसे दाऊद ने बड़े नम्र हृदय से मांगा!

उसने परमेश्वर के सामने "उद्धार के आनन्द" के लिये गिड़गिडाया (भजन संहिता 51:12)

और परमेश्वर ने उसे दिया, पतरस ने भी उसे बड़े विनम्र हृदय से इसे मांगा।

यीशु ने उसके मुँह को देखकर सबकुछ दे दिया।

लोगों ने उसका माजाक बनाया और कहा यह कौन है जो उसके पापों की क्षमा दे सकता है!

लोगों ने यीशु को उनके सिवानों से चले जाने को कहा!

वे लोग संसार के थे तभी तो उन्होंने यीशु से घृणा किया!

और वहाँ यीशु मसीह का कुछ भी नुकसान नहीं हुआ, परन्तु लोगों का नुकसान हुआ!

यदि आप (पाठक) पापों की क्षमा का आनन्द प्राप्त कर लिया है!

तब आपके पास एक और आनन्द है!

यह पवित्र आत्मा के द्वारा आनन्द है (रोमियों 14:17)

यह ना भूलें कि पवित्र आत्मा का अर्थ "बढ़ती" है!

हृदय की शुद्धता ही पापों की क्षमा का आनन्द है!

पवित्र आत्मा का हृदय में बढ़ना ही,

पवित्र आत्मा के द्वारा प्राप्त आनन्द है!
यह बढ़ोतरी प्रभु यीशु पर विश्वास करने से आती है, प्रेम में बढ़ोतरी,
पवित्र आत्मा में बढ़ोतरी, ऊकाब की नाई ताकत में बढ़ोतरी,
कलीसियाओं और सेवा में व आत्माओं की बढ़ोतरी !
बढ़ोत्तरी हमेशा बढ़ते क्रम में होगा, जैसे 30,60 और 100 गुना!
यह कभी भी घटते क्रम में नहीं होगा!
व्यापार बाजार, घट सकता है,
परन्तु जो यीशु को मानते हैं उनकी कभी हानि नहीं होगी!
यहाँ पर एक और प्रकार का आनन्द है उसे मनन करें।

आनन्द यह है कि हमारा नाम स्वर्ग में लिखा गया है (लूका 10:20)
पूराने समय में, जो किसी देश मे पैदा होते थे उनका नाम लिखा जाता था,
उसका जन्म स्थान, तारीख व उनके माता पिता का विवरण,
सावधानीपूर्वक रजिस्टर मे लिखा जाता था।
जब इसे कोई अनुचित रीति से लिखता व पास करता था
वे रजिस्टर खोलते थे,
और उस पर से उस व्यक्ति का नाम पर चिन्ह लगा देते थे और उसे सूची से निकाल दिया जाता था।

जिनका नाम स्वर्ग की पुस्तक में लिखा गया है,
पापों के क्षमा के आनन्द में वे लगातार बने रहेंगे,
जब तक उनका नाम उस पुस्तक से न हटा दिया जाये
उनका नाम धूँधला नही होगा।
प्रकाशितवाक्य 3:5 पद में लिखा है
"जो जये पाए उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहिनाया जाएगा,"
और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में किसी रीति से नहीं काटूँगा;
पर उसका नाम अपने पिता और उसके स्वर्गदूतो ंके सामने मान लूँगा।

प्रियों,
दिये गये आनन्द में से सुसामाचार प्रचार सबसे ऊपर है।
क्योंकि यह प्रभु यीशु के द्वारा दिया गया है,
क्या ही धन्य है पपों की क्षमा का आनन्द, पवित्र आत्मा का आनन्द,
और वह आनन्द जो स्वर्ग की पुस्तक में हमारा नाम लिखा गया है!
उस यीशु के नाम को थामे रहें, जिन्होंने इन आशीषों को दिया गया है!
इस सामर्थपूर्ण सुसमाचार को हर एक को प्रचार करें।
हम कितने आनंदित होते हैं,
जब उस सुसमाचार में संलग्न लोगों के विषय में पढ़ते हैं।
जिनका नाम जीवन के पुस्तक में लिखा हुआ है (फिलिप्पियों 4:3)
प्रियों जो आनन्द सुमाचार देता है,
वह इस नये वर्ष में आपके साथ हो और आपके जीवन से बहता रहे। आमीन्!

प्रार्थना

सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने
जिसने सभी मनुष्यों को उस
आनन्द के शुभ संदेश की घोषणा
की है
हम उसी प्रभुओं के प्रभु के सामने
सम्पूर्ण हृदय से पश्चाताप करते हैं
कि इस बड़े दिन के अवसर
संसार के 245 देशों में,
किसी भी देश में शांति नहीं है
सृष्टि का मंथन करने के लिए
वह रॉकेट भेजते हैं
वे पृथ्वी को नष्ट करने के लिए
मिसाईलें भेजते हैं
एडस को खत्म करने के लिए
कानून बनाये गये
समलैंगिकों पुरूष व स्त्रियों के
लिए भी कानून हैं
मनुष्य देश, एकता, एकजुटता
और अच्छाई पर चर्चा करते है।
एक समुदाय के द्वारा दूसरे
समुदाय के विरूद्ध में
स्वतंत्रता, छुटकारा और समानता
का दबाब डाला जाता है
कुछ इच्छाएं हैं
जाति, समाज और अछूत कहे
जाने पर नफरत की भावना है
सुन्दरता, धन, दहेज और आभूषण
कहे जाने पर जल्दबाजी है
शक (संदेह), झगड़े और तलाक
कहे जाने पर असहनीय गुस्सा है
सेवकाई और आत्माओं के बीच
सेवकों के बीच, प्रभु हमारी
तत्काल आवश्यकता
उस आनन्द की है, जो आप देते हैं
प्रभु, होने दें कि इस नववर्ष में
यही हमारी इच्छा हों।
यीशु के नाम में, जो हमारे आनंद
का स्रोत है, आमीन्!

आनंद (लूका 13:11–32)

• वह जो पिता के नजदीकी में रहता है, उसके पास आनन्द नहीं,
वह जो पिता से दूर रहते हैं उनके पास भी कोई आनन्द नहीं।

हाँ – आनन्द उसके पास है जो पिता के साथ संबंध को बनाये रखता हैं

• वह जो सम्पूर्ण वर्ष कठिन परिस्थितियों में रहा है, उनके पास कोई आनन्द नहीं है,
और वह जो उदारता पूर्वक रहता है, उनके पास भी कोई खुशी नहीं है।

हाँ – आनन्द उसके पास है, जिसने पिता के प्रेम को चखा है

• उसके पहले जन्म के बावजूद भी कोई आनन्द नहीं है,
उसके सबसे छोटे होने पर भी कोई आनन्द नहीं है।

हाँ – आनन्द उसके पास है, जिसने पिता के हृदय के समझ लिया है।

• वह जो क्रोध के बावजूद भी बिना नियम का उल्लंघन, सत्यनिष्ठा के साथ
स्वयं से अपने कार्य करते हैं, उन्हें कोई आनन्द नहीं है।
वह जो अपने आपको पापों के अधीनता में सौंपते हुए सीमाओं को
पार कर चुका है, उन्हें भी कोई आनन्द नहीं है।

हाँ– वह जो पिता के चरणों में सन्तुष्ट होते हैं, उन्हें ही आनन्द प्राप्त होता है।

• वह जो भूख व भूखमरी के अलावा कुछ नहीं जानता है, उसे कोई आनन्द नहीं है।
वह जो भोजन के लिए और सुअरों के चारा के लिए संघर्ष करता है, उन्हें भी कोई आनन्द नहीं है।

हाँ– वह जो पिता के प्रीतिभोज में शामिल होता है, उन्हें ही आनन्द मिलता है।

• यद्यपि कि हम बहुत सा जादू दिखाते हैं, लेकिन आनन्द नहीं बना सकते हैं

यद्यपि कि हम सब स्थानों में भटकते हैं, लेकिन
किसी से भी आनन्द नहीं पा सकते हैं,
जबतक हम सही व्यक्ति से नहीं मिलते हैं, तबतक हम आनन्द नहीं प्राप्त कर सकते हैं,

हाँ – आनन्द स्वर्गीय पिता के हाथ में है, वह जो प्रभु यीशु के चरणों के पास आते हैं,
उन सब के लिए यह है।

चरवाहा व बुद्धिमान व्यक्ति उसके सामने नतमस्तक होते हैं,
अब करोड़ों लोग उसके
सामने झूकते हैं और आनन्द प्राप्त करते हैं।
क्या आप उसके चरणों में नतमस्तक हुए हैं।

सुसमाचार के माध्यम से आन्नद

मणिपुर में उन सभी लोगों की बड़ी जीत हुई जिन्होंने उस समय परमेश्वर की शरण ली जब उनके विश्वास की परीक्षा हो रही थी। उनकी गवाही में जीवन है। पिबामयुम अमुसाना देवी पिछले 4 महीने से टी.बी. रोग से ग्रसित थीं। जब दवा से मदद नहीं मिली तो हमने उन्हें दूसरा तरीका सिखाया, वह है प्रार्थना। एक विश्वासयोग्य सेवक की प्रार्थना बीमारों को बचा लेगी। यह वचन जीवित है और हमने उसे दिखाया है कि यीशु हममें जीवित है और हमें स्वस्थ कर सकता है! परमेश्वर ने अमुसाना को ठीक किया है और उसे अपने विश्वास में मजबूत किया है। यह परिवार नोगंपोक गाँव में अपनी गवाही को दूसरों के साथ बांट रहे हैं। वास्तव में, अमुसाना बहन यीशु के कोड़े खाने से चंगी हो गई है। सुसमाचार के माध्यम से ग्रामीणों का हृदय परिवर्तन हो और गाँव प्रकाशमान हो!

– कार्यकर्ता वीरेन्द्र कांबले

छुटकारा प्राप्त किया और गवाह हैं

मेरी उम्र 38 साल है और मैं बिना जिम्मेदारी लिए ही अपनी जिन्दगी जी रहा था। मुझमें काम करने की ताकत थी। काम की वजह से मेरे हाथ में पैसे भी थे। लेकिन जो शांति मेरा हृदय ढूंढ़ता था वह मुझसे कोसों दूर थी! एक के बाद एक दुष्ट आत्माओं ने हम पर हमला किया। इस समय टिमार्थवा मिशनरी से मिलकर हम प्रभावित हुए और अत्यंत प्रोत्साहित हुए। उन्होंने हमारे साथ परमेश्वर का वचन बांटा और उन्होंने यीशु नाम का उच्चारण किया, जिससे दुष्ट आत्माएं मुझे छोड़कर भाग गईं! आज मैं और मेरा परिवार ज्योति की संतान हैं! हम उन लोगों के साथ उसी ज्योति को बांट रहे हैं जो अंधकार में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। *– जानूभाई, गुजरात।*

मुंडारी मेला पिछले वर्षों की तरह परमेश्वर की महिमा लेकर आया है और इसने विश्वासियों के जीवन में रोशनी फैला दी! मेला 22 और 23 अक्टूबर को नवाटोला आराधना भवन परिसर में आयोजित किया गया था जहाँ 12 क्षेत्रों के 400 विश्वासी आत्मिक रूप से लाभांवित हुए। युवा विश्वासियों की गवाही यह स्पष्ट करती है कि सुसमाचार झारखंड के आंतरिक दुर्गम गाँवों को बदलने जा रहा है। हम उन मिशनरियों भाईयों के धन्यवादी हैं जो कठोर परिश्रम कर रहे हैं और हम उस महान प्रभु की स्तुति करते हैं जो हमें विजय दिलाते हैं।

– रेव्ह.सलीम एक्का, झारखण्ड।

फलवंत सेवकाई
परमेश्वर का अनुग्रह

चेंबूर बेथेल सी.एन.आई कलीसिया मुम्बई के पासवान, युवाओं, शिक्षकों और कलीसिया के सदस्यों के साथ 29 लोगों की एक समूह के रूप में हमने 2 और 3 अक्टूबर को गुजरात के कार्य क्षेत्रों का दौरा किया। परमेश्वर में विश्वास के कारण कार्य क्षेत्र में लोगों द्वारा प्राप्त की गई परमेश्वर की भलाईयों को सुनना वास्तव में अद्भूत था। हम वहाँ के विश्वासीयों के छल रहित प्रेम और आतिथ्य सत्कार की सराहना करते हैं।

सोनगढ़ कार्यक्षेत्र में यह एक अविस्मरणीय अनुभव था जहाँ हम एक साथ रूके और सुबह का नाश्ता किया और मिशनरियों के साथ संगति का आन्नद लिया। हम प्रभु में सैंडपुर क्षेत्र के विश्वासियों द्वारा व्यक्त किए गए प्रेम के लिए शुक्रगुजार और आन्नदित हैं जब उन्होंने तेज धूप में अपने पारंपरिक नृत्य के माध्यम से हमारा स्वागत किया। हम कलीसिया की आराधना, दोपहर की संगति और काथिस्कुआ के विश्वासियों द्वारा की गई आराधना के लिए परमेश्वर की स्तुति हो और काथिस्कुआ विश्वासियों के आभारी है।

यह कहना उचित होगा की हमने कार्यक्षेत्रों का दौरा करने के बजाय वहाँ से सीखा है। यह भी कहना बेहतर होगा कि हमने कार्यक्षेत्र के विश्वासियों को देने की अपेक्षा परमेश्वर की इच्छा पूरी की है!

यह प्रभु का अनुग्रह है कि नवापाड़ा स्कूल में अपनी कलीसिया के माध्यम से आरम्भ में जो बीज बोए थे, वे एक फलदार वृक्ष के रूप में विकसित हुए हैं! हम वहाँ फलवंत सेवकाई देखने में सक्षम थे। नवापाड़ा स्कूल में पले–बढ़े तीन बच्चे इस साल मेडिकल कॉलेज में शामिल हो गए हैं और जल्द ही डॉक्टर बनकर अपने समुदाय में सेवा आरम्भ करेंगे। यह हमारी यात्रा समूह की आत्माओं के लिए शहद से भी अधिक मीठा था।

कलीसिया के युवा और सदस्य कार्य क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ जुड़ गए हैं। कार्य क्षेत्रों में ये दो दिन कलीसिया के युवाओं को सेवकाई में मजबूत बनाने और भविष्य में आराधना भवन बनाने और परमेश्वर के काम की जिम्मेदारी को अपने कंधों पर उठाना सिखाने के लिए उपयोगी रहे।

हम यीशु के नाम में मिशनरी एबेनेजर को धन्यवाद देते हैं जो कार्य क्षेत्र यात्रा के दौरान हमारे साथ रहे और हमारी सभी जरूरतों को पूरा किया। प्रभु की स्तुति हो – *यात्रा समूह के सदस्य*

हरियाणा, झारखण्ड और ओडिशा के गाँव प्रभु को जानें!

सेंट जेम्स कलीसिया, टूवीपुरम, टुटीकोरिन की पुरूष संगति की ओर से 22.10.2023 को 45 मिशनरियों को समर्पित किया गया। उसी दिन नौ अन्य मिशनरियों को सेंट माइकल आराधना भवन, पोलेपेट्टई, टूटीकोरिन में समर्पित किया गया।

मैं रेव्ह.सी.एमिल सिंह और रेव्ह.ई.लिविंगस्टन, मिशनरियों का सहयोग वाले परिवारों और समर्पण सेवा के लिए काम करने वाले सभी सेवा समन्वयकों का धन्यवादी हूँ।

कार्यक्षेत्रों का दौरा किया

30 लोगों की एक समूह के रूप में, हमने कार्यक्षेत्रों का दौरा करने के लिए पलायमकोट्टई से यात्रा की । हम प्रभु को उस सुरक्षा और यात्रा संबंधित दया के लिए धन्यवाद देते हैं जो उन्होंने हमें तब दी जब हम 27 सितंबर से 3 अक्टुबर तक कार्य क्षेत्रों में रहे।

हम आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में आराधना भवन और बचाई गई आत्माओं को देखने में सक्षम थे। कार्य क्षेत्र पहाड़ों के ऊपर घुमावदार रास्तों वाले हैं जिन तक पहुँचना कठिन है। हम भाई राजेश बाबू और उनके परिवार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने एस.शिवरामपुरम क्षेत्र में एक आराधना भवन का निर्माण किया है और इसे परमेश्वर की महिमा के लिए 1.10.2023 को समर्पित किया गया। प्रभु ने यह किया है, और यह हमारी दृष्टि में सुन्दर और अद्भूत है। प्रभु हमारे मिशनरियों को आग की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और हर दिन कार्य क्षेत्रों में आश्चयकर्म हो रहे हैं। प्रभु की स्तुति हो! *क्रिस्टोफर जैमसन*

मणिपुर में अपना सहयोग भेजने के लिये धन्यवाद

मणिपुर के गाँवों में लोगों के पास खाने के लिए मुश्किल से ही कुछ था और उन्हें 3 मई 2023 के बाद अगले भोजन के लिए उन्हें एक–दूसरे का चेहरा देखना पड़ता था। कार्य क्षेत्रों में विश्वासियों को एक महीने के लिए आवश्यक भोजन सामग्री के लिए भेजने के लिए आपको बहुत–बहुत धन्यवाद!

तीन अलग–अलग चरणों में लोगों की सहायता की गई। राहत कार्य के गवाहों ने परमेश्वर की महिमा की क्योंकि इसके द्वारा सेवकाई में सहभागी लोगों ने शायद कम लेकिन परमेश्वर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। प्रभु की स्तुति हो!

– सेवा समन्वयक –मणिपुर

विश्ववाणी समर्पण के लिए सदस्यता भेजने के लिए

A/C Name: **VISHWA VANI SAMARPAN** Branch: **ANNANAGAR WEST, CHENNAI**

Bank : **STATE BANK OF INDIA** Branch Code: **03870**

A/C No.: **1040 845 3024** IFSC : **SBIN0003870**

Please update us with your transaction info
so that we can acknowledge with the receipts
044-26869200

नेटवर्क चेयरमैन की ओर से...

मसीह में अति प्रिय भाईयों एवं बहनों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के मधुर नाम में आपको क्रिसमस और नव वर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं।

जब हम पीछे मुड़ कर देखते हैं कि परमेश्वर ने हमें सेवकाई में किस रास्ते से हमें ले आया है, और जब हम वर्ष 2023 के दौरान भारतीय गाँवों में परमेश्वर के कार्यों पर विचार करते हैं तो हमारा हृदय कृतज्ञता से भर जाता है। हमारे हृदय लगातार सर्वशक्तिमान परमेश्वर की प्रशंसा करते और धन्यवाद से भर जाते हैं! पश्चाताप् करने वाली आत्माओं की संख्या, नए गाँवों में बने आराधना भवन, नए कार्यकर्ता जो पूर्णकालिक सेवा में शामिल हो गए हैं और नये कार्य क्षेत्र जो उसने खोले हैं, आराधना समूह जो गाँवों में पवित्र आत्मा के काम के परिणामस्वरूप आरम्भ हुए हैं, हमें उसके जीवित वचन को स्मरण दिलाते हैं। "क्योंकि प्राचीन काल ही से तुझे छोड़ कोई और ऐसा परमेश्वर न तो कभी देख गया और न कान से उसकी चर्चा सुनी गई, जो अपनी बाट जोहनेवालों के लिये काम करें" (यशा.64:4)।

परमेश्वर का वचन तीव्रता से चलता है:

परमेश्वर ने हमें कोकबोरोक भाषा में पवित्र बाइबल प्रकाशित करने में मदद की जो त्रिपुरा के लोगों द्वारा बोली जाती है। रेव्ह.डॉ.नफुराई जमातिया 1990 में विश्ववाणी के पहले राज्य समन्वयक थे, जब विश्ववाणी ने त्रिपुरा में अपना कार्यक्षेत्र प्रारम्भ किया था। उन्हें सम्पूर्ण बाइबल का अपनी मातृभाषा कोकबोरोक में अनुवाद करने के लिए पवित्र आत्मा से प्रेरणा मिली थी। परमेश्वर के लोगों के कार्यों और प्रार्थनाओं के माध्यम से बाइबल की 10,000 प्रतियाँ मुद्रण छपाई के लिए दे दी गई हैं। यह बाइबल 19 दिसंबर को अगरतला में एमिल अन्नन की दसवीं स्मरणीय सभा में समर्पित की जाएगी। यह सबसे बड़ी आशीष है जो परमेश्वर ने इस वर्ष हमारी सेवकाई में किया है।

आन्ध्र प्रदेश के 1250 सौरा गाँवों में सुसमाचार पहुँचा:

पवित्र आत्मा ने हमें पार्वतीपुरम मान्यम, श्रीकाकुलम और विजयनगरम

जिलों के 795 गाँवों और ओडिशा की सीमा पर स्थित गाँवों में काम करने में सक्षम बनाया है जहाँ सौरा लोग रहते हैं। उसने हमें सेवकाई में आत्माएं और फल भी दिये हैं। क्षेत्रीय सेवक 1250 सौरा गाँवों तक पहुँचने के दर्शन के साथ काम कर रहे हैं। वे सौरा लोगों की आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य के साथ काम कर रहे हैं। सौरा दर्शन क्रिया अभियान केन्द्र अच्चापुलवासा में तैयार हो रहा है। यह 1250 सौरा गाँवों सेवकाई के लिए एक सेवा केंन्द्र होगा। हम प्रभु के अनुग्रह से 2023 के अंत से पहले इस कार्यालय को समर्पित करने के लिए काम कर रहे हैं।

जन–जाति समूह परमेश्वर के हैं:

मिशनरियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रशिक्षण केंन्द्र की आवश्यकता है जो तेलंगाना में चेंचू जनसमूह, आन्ध्र प्रदेश के कोया और कोंडा डोरा जनसमूह और ओडिशा के कुई और हो जनसमूह के बीच काम करने जा रहे हैं। हम प्रभु के चरणों में उसके मार्गदर्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं –2024

नए वर्ष में प्रार्थना समूहों, प्रतिनिधियों, बचत बॉक्स धारकों और गाँवों को गोद लेने वालों की संख्या दोगुनी संख्या में बढ़नी चाहिए। यह हमारी अभिलाषा और प्रार्थना है कि प्रभु उन लोगों को आशीषित करें जो प्रार्थना करते हैं और सेवकाई में आर्थिक रूप से दोगुना सहयोग देते हैं।

भारत के 8 राज्यों में प्रशिक्षण केन्द्र पूर्णकालिक कार्य के लिए मिशनरी तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हम 3 और स्थानों अर्थात् चल्लकेरे (कर्नाटक), पठानकोट (पंजाब) और उदयपुर (राजस्थान) में एक प्रशिक्षण केन्द्र बनाने का प्रयास कर रहे हैं। कृप्या प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमारे उद्देश्य को अवश्य पूरा करें। सेवकाई में विकास के लिए, मिशनरियों के कौशल को निखारने के लिए, विश्वासियों के आध्यात्मिक विकास के लिए, वचन में कार्य क्षेत्रों के कलीसियाओं के विकास के लिए और गाँवों के सामाजिक विकास के लिए प्रशिक्षण केंन्द्र की आवश्यकता है। इसलिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर नए साल में अपनी महिमा के लिए हमारी इच्छा पूरी करें।

दर्शन कार्य केन्द्र, टूटीकोरिनः

हम प्रार्थना और इच्छा रखते हैं कि टूटीकोरिन में दर्शन कार्य अभियान केन्द्र का निर्माण 2024 तक शुरू हो जाए और उपयोग के लिए खोल दिया जाए। हमने इस परिसर के भीतर 6 प्रमुख इमारतों का निर्माण करने का निर्णय लिया है, अर्थात् "बाइबल लैंड मिशन लाइब्रेरी" चैपल, कौशल विकास केन्द्र, सभागार, राष्ट्रीय विकास कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र और टूटीकोरिन जिला कार्यालय। कृप्या प्रभु के अनुग्रह के लिए प्रार्थना करना जारी रखें।

कौशल विकास केन्द्र, अलंगुलमः

परमेश्वर के अनुग्रह से तेनकासी जिले में कार्यरत अलंगुलम कौशल विकास केंन्द्र में 152 महिलाओं ने अपनी सिलाई प्रशिक्षण पूरी कर ली है। अपना प्रशिक्षण पूरा करने वाली 36 महिलाओं को 16 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। परमेश्वर हमें हर साल 80 महिलाओं को मुफ्त में प्रशिक्षित करने में सक्षम बना रहे हैं ताकि वे आर्थिक रूप से सक्षम हो सकें। वर्ष 2024 में हम 100 महिलाओं के लिए कंप्युटर कक्षाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं। कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें।

हमें 2024 में होने वाले चुनाव के लिए प्रतिदिन प्रार्थना करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर की सेवकाई में भी बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। कृप्या प्रार्थना करें कि परमेश्वर बुद्धि और ज्ञान प्रदान करें और ऊपर से स्वर्गीय अगुवाई और सेवा का मार्ग दर्शन प्रदान करें। मसीह, जो विजयी है, वो हमारे आगे–आगे जा रहा है। वह सदैव सफलता देगा। आइए, हम विश्वास करें, प्रार्थना करें और कार्य करें।

प्रभु आपको, आपके परिवार को और आपके हाथ के कार्यों को भरपूर आशीष दें।

"मैं उसको अपना अद्भूत काम दिखाऊँगा"। (मीका 7:15)

हैदराबाद मसीह में आपका

27.11.2023 पी.सेल्वाराज, चेयरमैन, विश्ववाणी नेटवर्क

पिछले अंक में हमने फिलिप्पुस द्वारा सामरिया में की गयी सेवकाई के बारे में पढ़ा। जब पतरस और युहन्ना ने सुना कि सामरियों ने सुसमाचार स्वीकार कर लिया है, तो वे फिलिप्पुस के साथ सामरिया गए और परमेश्वर का वचन सुनाया। लूका का कहना है कि बाद में वे यरूशलेम लौट आए (प्रेरित 8:25)।

परमेश्वर हमसे अपेक्षा करते हैं कि हम उसकी योजना के अनुसार काम करें और हम परमेश्वर के लिए और अधिक काम करने के लिए विवश हैं। यह प्रेरितों के काम अध्याय 8 पद 26 से 40 तक में प्रकट होता है। जब हम इस भाग पर विचार करते हैं, तो हम देखते हैं कि फिलिप्पुस एक साधारण विश्वासी था। उसे विधवाओं की देखभाल के लिए चुना गया था। शिष्य परमेश्वर द्वारा दिए गए कार्य को पूरा करने की खुशी के साथ यरूशलेम लौट आये। परन्तु परमेश्वर का वचन फिलिप्पुस के पास पहुँचा और कहा, "उठ और दक्षिण की ओर उस मार्ग पर जा, जो यरूशलेम से गाजा को जाती है" यह रेगिस्तानी मार्ग है। निम्नलिखित पद कहता है कि "तो वह उठकर चल दिया" अर्थात उसने कभी नहीं पूछा कि कब जाना है या मुझे क्यों जाना चाहिए। उसे कभी यह विचार नहीं आया कि मैंने अभी–अभी सामरिया में सेवकाई खत्म की है, मैं कुछ देर बाद भी जा सकता हूँ। वह तुरंत उठकर चल दिया, आरम्भ कर दिया। वह कभी नही जानता था कि वह किससे मिलने वाला है। परन्तु परमेश्वर ने उसे बता दिया कि क्या करना है और कब करना है।

फिलिप्पुस को आज्ञा मिली कि उसे गाजा जाने वाले इथियोपियाई खोजे से मिलना होगा। गाजा से पूरी दुनिया वाकिफ है। हम गाजा से मिस्त्र होते हुए इथियोपिया पहुँच सकते हैं। लूका लिखता है कि कन्दाके सभी खजाने का प्रभारी एक महत्वपूर्ण अधिकारी परमेश्वर की आराधना करने के लिए यरूशलेम गया था। कई बाइबल विद्वानों का कहना है कि कई इथियोपियाई लोग सच्चे परमेश्वर के बारे में जानते थे।

शीबा की रानी सुलैमान के दिनों उसके ज्ञान के बारे में सुनने के लिए यरूशलेम आई थी (1राजा 10:1–12, 2इति.9:1–13)। भजन संहिता 68:31 कहता है,"मिस्त्र से अधिकारी आएंगे, कुशी अपने हाथों को परमेश्वर की ओर फुर्ती से फैलायेंगे"। वह इथियोपियाई जो परमेश्वर को जानता था, उसने परमेश्वर की आराधना करने के लिए लम्बी दूरी तया की और वह वापस लौट आया। कुछ लोग कहते है कि वह यहूदि था या धर्म परिवर्तन किया हुआ था या यहूदि धर्म को स्वीकार करने वाला एक सच्चे परमेश्वर को मानने वाला व्यक्ति था।

वे आमतौर पर फुसलाने वाला/प्रोसेलिटे कहकर बुलाते हैं। वे अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार यरूशलेम के मंदिर के दर्शन करने की इच्छा रखते हैं। वे आराधना को पवित्र मानते हैं जब इथियोपियाई अपनी इच्छा पूरी करके लौट रहा था, तो स्वर्गदूत ने

फिलिप्पुस को उसके साथ रथ में शामिल होने का आदेश दिया।

रथ में शामिल होने के बाद फिलिप्पुस ने पाया कि इथियोपियाई यशायाह की पुस्तक पढ़ रहा था। वह यशायाह 53 में यीशु के बारे में पढ़ रहा था। फिलिप्पुस ने उससे पूछा कि क्या वह जो पढ़ता है उसे समझ सकता है।

इथियोपियाई लोगों को सच्चे परमेश्वर का ज्ञान था। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि परमेश्वर की योजना यह है कि मानव जाति उस सुसमाचार पर विश्वास करें कि प्रभु यीशु मसीह पृथ्वी पर आया, मर गया और तीसरे दिन फिर से मृतकों में से जी उठा और अब भी जीवित है। जब फिलिप्पुस ने उस भाग का अर्थ पूछा जो वह पढ़ रहा था, तो उसने उत्तर दिया, "जब तक कोई मुझे न समझाए तो मैं कैसे समझूं? और उसने फिलिप्पुस से विनती की कि वह चढ़कर उसके साथ बैठे (पद 35)। हम देखते हैं कि फिलिप्पुस ने इस पद के आधार पर यीशु मसीह के बारे में सुसमाचार प्रचार किया।

इससे उस ज्ञान और विश्वास का पता चलता है जो फिलिप्पुस को अपने परमेश्वर वचन पर था। इसके अतिरिक्त इथोयोपियाई सुसमाचार जाननके बाद बपतिस्मा लेने के लिए तैयार था। इसका अर्थ है कि फिलिप्पुस ने उससे बातचीत करते समय बपतिस्मा के विषय में बात की होगी। पद 39 में कहा गया है कि बपतिस्मा लेने के बाद प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस को उठा ले गया, और वह अपने मार्ग चला गया। यह नहीं लिखा है कि यरूशलेम में प्रभु की आराधना करके आन्नद करता हुआ अपने घर चला गया।

मनुष्य का आन्नद तब तक पूरा नहीं होगा जब तक वह सुसमाचार को न ले, पहचान न लें। हालाँकि आराधना पद्धति,त्यौहार और उत्सव समय के साथ बदलते रहते हैं। जब तक यीशु हमारे हृदय का सदस्य नहीं बन जाता, तब तक स्वयं को संतुष्ट करने के लिए सभी पारंपरिक प्रथाएँ चलती रहेंगी। कलीसियाएँ तब तक आत्माओं की कटनी नहीं कर सकतीं जब तक वे परमेश्वर के वचन को नहीं जानते और उन्हें ठीक ढंग से प्रचार नहीं करते। हमने यह नहीं सुना होगा कि मैंने यीशु को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि मुझे आराधना पसंद थी, या मुझे आराधना भवन की सुन्दरता पसंद थी। किन्तु दूसरी ओर, हमने लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि वे यीशु से प्यार करते हैं क्योंकि परमेश्वर के वचन ने लोगों के हृदयों में काम करना कभी बंद नहीं किया है।

अगर हम चाहते हैं कि भारतीयों को वही खुशी मिले जो इथियोपियाई को मिली तो फिलिप्पुस को आगे आना होगा। कलीसिया के प्राचीनों को पवित्र आत्मा की आवाज सुननी होगी। यदि हम बिना किसी हिचकिचाहट के स्वंय को प्रभु के प्रति समर्पित कर दें, तो हम केवल इथियोपियाई के अधिकारी ही नहीं बल्कि किसी भी अधिकार को विरासत में प्राप्त कर सकते हैं। सुसमाचार का आन्नद न केवल सामरियों को, बल्कि दूर–दूर रहने वाले इथियोपियाई लोगों को भी एक साधारण फिलिप्पुस द्वारा प्रचार किया जाना चाहिए। कितना बड़ा आन्नद है! हाँ, स्वर्ग में भी महान आन्नद है! विश्व के सभी लोगों के लिए बहुत आन्नद का समाचार है! जब लोग सुसमाचार को जानते हैं तब वे इसे दूसरों के साथ प्रचार करते हैं। वे अंत तक उसके ऋणी हैं जिसने उन्हें यह महान आन्नद दिया है! *– रेव्ह. डॉ.पोन सुबर्सन*

नव वर्ष –अधिपत्य का वर्ष
विश्वास के कदम उठाने का वर्ष

– रेव्ह. डॉ. इम्मानूएल ग्नानाराज, निर्देशक – प्रेयर नेटवर्क

परमेश्वर के प्रिय लोगों मैं आपको और आपके परिवार को क्रिसमस और नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

यह हर्ष और उल्लास का अवसर है। हम इस वर्ष यीशु मसीह के जन्म उत्सव मनाने के लिए जीवित हैं और इसलिए हमें परमेश्वर का आभारी होना चाहिए। ऐसा लगता है जैसे हमने 2023 की शुरूआत ही की है और हम इसके अंतिम छोर पर पहुँच गए हैं। प्रभु की उपस्थिति अपरिवर्तनीय और अटल है जिसने अपनी आँख की पुतली के समान हमारी रक्षा की है! इसलिए हमें उसका आभार व्यक्त करना चाहिए। 2023 में हमारे साथ यात्रा शुरू करने वाले कई लोग इसे समाप्त नहीं कर पायें। यहाँ हमें तीन चीजों के बारे में सोचना है। सबसे पहले क्रिसमस त्योहार के बारे में जिसे हम खुशी से मनाते हैं, दूसरे चूंकि हम साल के अंत में आ गए हैं और सुरक्षित रूप से इस जमीन पर बचाये या पहुँचाये गए हैं (प्रेरितों के काम 27:44) हमें प्रभु को धन्यवाद देने की जरूरत है। तीसरा, इस नए साल में परमेश्वर आपको उस मार्ग पर ले जाएंगे कि "क्योंकि अब तक तुम इस मार्ग पर होकर नहीं चलें" (यहोशू 3:4)।

क्रिसमस समारोहः

हम हर वर्ष एक परिवार के रूप में क्रिसमस मनाते हैं और हम इस साल भी मनाने जा रहे हैं। हमेशा की तरह, हमें नई पोशाकें मिलती हैं, हम भोर की आराधनाओं में शामिल होते हैं और हम परिवार और दोस्तों के रूप में एक साथ इकट्ठा होते हैं! इस वर्ष के दौरान, कई परिवारों ने क्रिसमस को खुशी से मनाने की योजना बनाई होगी! लेकिन क्रिसमस संदेश इसी बाइबल और उन्हीं पदों के साथ एक ही है। क्या बाइबल की वे वचन/पद हमसे अलग तरह से बात करते हैं? स्वर्गदूत उन चरवाहों के पास गये जो अपनी भेड़–बकरियों की देख–भाल कर रहे थे। उन्होंने

घोषणा की, "लो, मैं तुम्हें बड़े आन्नद का सुसमाचार सुनाता हूँ। हम समाचार शब्द को सुसमाचार से बदल सकते हैं।

किसी परीक्षा में असफलता एक व्यक्ति के रूप में हमारी होती है। नीतिवचन 14:10 कहता है, "मन अपना ही दुःख जानता है, और परदेशी उसके आन्नद में हाथ नहीं डाल सकता"। आन्नद प्रत्येक व्यक्ति का है। इसी तरह, कुछ खबरें एक खाश समूह के लोगों के लिए खुशी देने वाली होती हैं। जबकि कुछ अन्य किसी विशेष देश या किसी विशेष भाषा समूह के लिए। दो टीमों के बीच, खेल का विजेता आन्नदित होगा। जो टीम हारेगी उसके लिए यह दुख का दिन होगा। लेकिन यीशु मसीह का जन्म पूरी दुनिया में खुशियां लेकर आया। सुसमाचार अच्छा और विशेष समाचार है। वह यीशु मसीह का प्रथम आगमन है। वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच निवास कर रहा था। वह हमारे पापों के लिए मर गया और मृतकों में से जी उठा। उसने क्रूस पर अपनी मृत्यु के माध्यम से हमें हमारे पापों से छुटकारा दिलाया। यह सुसमाचार है। यह उन सभी के लिए बहुत आन्नद की बात है जो उन्हें स्वीकार करते हैं। प्रत्येक विश्वासी जिसने यह आन्नद प्राप्त किया है उसका एक ही कर्तव्य है। चरवाहे बालक को देखने के लिए शीघ्रता से चले गए और बालक के विषय में जो कुछ भी उन्हे बताया गया था वह सब चारो ओंर फैला दिया। इसी तरह, बाइबल में यीशु मसीह के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसे हमें दुनिया भर में फैलाना चाहिए।

सुरक्षित रूप से भूमि पर बच निकले

कृप्या प्रेरितों के काम अध्याय 27 खोलें। पौलुस और कुछ अन्य कैदी अद्रमुत्तियुम से एक जहाज पर चढ़े और सैदा में उतरे। पद 5 से 13 तक उनकी यात्रा में कठिनाई को दर्शाया गया है। वे मूरा की ओर रवाना हुए और चूंकि हवा विपरीत दिशा में थी, इसलिए उनकी यात्रा थोड़ी धीमी थी। फिर उन्होंने दूसरा जहाज लिया और हवा के कारण धीमी गति से आगे बढ़ रहे थे। वे कठिनाई से तट के किनारे–किनारे आगे बढ़े। पद 9 "बहुत दिन" से शुरू होता है और पद 13 तक की कठिन यात्रा को व्यक्त

करता है। उसके तुरन्त बाद वचन कहता है, "परन्तु थोड़ी देर में जमीन की ओर से एक आंधी उठी, जो "यूरकुलीन" कहलाती है"।" अंत में, जहाज बर्बाद हो गया ओर पद 44 यह कहते हुए समाप्त हुआ कि सुरक्षित सब कोई भूमि पर बच निकलें।

वर्ष 2023 में हमने जो यात्राएं की, उनमें कुछ हल्की हवाएँ और "यूरकुलीन""जैसे तूफान आए, जिससे आपको/हमें नुकसान हुआ, जहाँ हम मुश्किल से जीवन नौका को सुरक्षित कर पाए। हमें विरोधों का साम्हना करना पड़ा और अपने परिवारों को बीमारी और खतरे से सुरक्षित बचाना पड़ा। हमारे परिवारों में ऐसी परिस्थितियाँ आई होंगी जहाँ कोई जहाज डूब गया हो और हमने अपने प्रियजनों को खो दिया हो और आप अलग हो गए हों! कुछ को तख्ते या जहाज के सहारे या अन्य टुकड़ों पर आराम करते हुए अस्पताल में भर्ती कराया गया होगा।

इसी तरह हम सभी सुरक्षित रूप से भूमि पर बच निकलें। हम 2023 को पार कर चुके हैं और 2024 में कदम रख चुके हैं। क्या आपका मन प्रभु को धन्यवाद देने और उसकी स्तुति करने का नहीं हो रहा है? हमें धन्यवाद के बलिदान चढ़ाना कभी नहीं भूलना चाहिए जैसा कि नूह और उसके परिवार और जहाज से बाहर आए सभी जीवित प्राणियों ने किया था। उन अवसरों के बारे में सोचें जब पिछले वर्ष के दौरान प्रभु द्वारा आपकी रक्षा की गई थी और आप का नेतृत्व अद्भूत तरीके से किया। इस पूरे महीने में आप प्रभु की स्तुति करें।

आप पहले कभी इस तरह नहीं रहे होंगे

यहोशू अध्याय 3 की ओर चलें। हम पढ़ सकते हैं कि कैसे यहोशू ने इस्राएलियों को यात्रा पर आगे बढ़ने का निर्देश दिया। इस्राएलियों ने पैदल चलकर यरदन पार किया। यहोशू 3:3 कहता है, "जब तुम को अपने परमेश्वर यहोवा की वाचा का सन्दूक और उसे उठाए हुए लेवीय याजक भी देख पड़े, तब अपने स्थान से कूच करके उसके पीछे–पीछे चलना"। नए वर्ष में परमेश्वर के साथ अपनी वाचा को नवीनीकृत करें।

आपकी वाचा यीशु मसीह के रक्त से नवीनीकृत हो। यीशु ने क्रूस पर जो लहू बहाया उससे उसने हमारे पापों को क्षमा कर दिया है। आइए, हम इस विश्वास के साथ नए वर्ष में प्रवेश करें कि हमारे पाप क्षमा हो गए हैं और हमारा हृदय नवीनीकृत हो गया है। आइए, हम आलसी न बनें बल्कि शीघ्रतम से आगे बढ़ें, आइए, हम यरदन नदी को पार करें और प्रतिज्ञा की गई भूमि को प्राप्त करें।

विश्वास की सीढ़ियाँ होना जरूरी हैं पद 4 कहता है कि वाचा के सन्दूक और लोगों के बीच 2000 हाथ यानी लगभग 1 किमी. की दूरी होनी चाहिए। इसमें यह भी कहा गया है कि यह जानने के लिए इसके निकट न जाना की किस रास्ते से जाना है। इसका तात्पर्य क्या है? इसका अर्थ है अपनी दृष्टि से नहीं बल्कि विश्वास से चलें।

हमें परमेश्वर के वचन पर संदेह नहीं करना चाहिए। आप पहले कभी इस तरह नहीं रहे होंगें। यह नया वर्ष है। इस मार्ग में आपका साम्हना यरदन नदी, यरीहो की दीवार, ऐ शहर और उन 31 राजाओं से होगा जिनका यहोशू ने साम्हना किया था। लेकिन हमारी विश्वास की आँखों से यरदन नदी को देखना चाहिए जो सूख गई थी, यरीहो की दीवारें जो गिरा दी गईं, शहर को जला दिया गया और 31 राजाओं को पकड़ लिया गया।

पद 7 में जो प्रतिज्ञा दिखाई देती है कि मैं तुम्हारे साथ वैसे ही रहूँगा जैसे में मूसा के संग रहता था, वैसे ही मैं तेरे संग भी हूँ। परमेश्वर उन सभी का सम्मान करेगा जो आज्ञा पालन करते हैं और विश्वास करते हैं। आइए, हम शीघ्रता से सभी पीढ़ियों को सुसमाचार सुनाएँ। प्रभु आपको भरपूरता की आशीषें दे। ■

ऑनलाइन दान भेजें

Bank : State Bank of India A/C Name: VISHWA VANI
A/C No. : 10151750252 IFS Code : SBIN0003273
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.
Please update us with your transaction info to acknowledge with the receipts
Contact ✆ 9443127741, 9940332294

UPI ID
vvadmin@sbi
UPI Name:
VISHWAVANI

कार्यक्षेत्र के समाचार

स्तुति - प्रार्थना

यद्यपि आज ये लोग अन्धकार में निवास करते हैं, किन्तु इन्हें महान प्रकाश का दर्शन होगा।
वह अद्भुत ज्योति उन पर प्रकाशित होगा।
(यशायाह 9:2)

जम्मू कश्मीर

परमेश्वर की स्तुति हो: 8 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 4 परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुए। भाई सोमनाथ और जोगिन्दर ने अपने पापों का पश्चाताप किया और आराधना समूह में शामिल हुये। खीबी क्षेत्र में प्रभु की आराधना प्रारम्भ की गई।

प्रार्थना करें: टांगेर और पंथाल क्षेत्र में निरंतर चलने वाली सुसमाचार सभाओं में नयी आत्माऐं शामिल होने के लिये। पुंछ और राजौरी क्षेत्र से पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये। सांबा और डोडा क्षेत्र जिले में सेवकाई प्रारम्भ करने के लिये किए गए प्रयासों के लिये। नानक और गागोर क्षेत्र में बोया गया परमेश्वर का वचन फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
जम्मू कश्मीर - 1

परमेश्वर की स्तुति हो: 12 क्षेत्रों में सेवकाई के लिये द्वार खुला। 14 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। खोजियों की सभा के

माध्यम 156 गाँव में परमेश्वर का वचन बोया गया। 20 युवाओं ने स्वयं को पूर्णकालीन सेवकाई के लिये समर्पित किया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली रात्रि सभाओं के लिये। विश्वासी सुनिल कुमार और काका कुमार की गवाही के माध्यम से कई लोगों का उद्धार होने के लिये। कार्यकर्ता दिनेश कुमार जो टाइफाइड बुखार के कारण कमजोर हो गए हैं। इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली बाइबल अध्ययन समूह में शामिल होने वाले लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पंजाब

परमेश्वर की स्तुति हो: 35 परिवारों ने अपने पापों का पश्चाताप किया और आराधना समूह में शामिल हुये। इस क्षेत्र में आयोजित युवा कैंप के माध्यम से 20 युवाओं ने अपने नए जन्म के अनुभव को प्राप्त किया। इस क्षेत्र में हमें सेवकाई के लिये नए सम्पर्क प्राप्त हुये। 25 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: कार्यकर्ता राकेश कुमार जो चिकनगुनिया बुखार से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। फुसमंडी क्षेत्र के विश्वासियों के माध्यम से आसपास के गाँव आशीषित होने के लिये। पज्जोदेओता और बुल्लोवाल क्षेत्र में सामाजिक विकास कार्यक्रम प्रारंभ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई कुलदीप और धर्मेंद्र ने सुसमाचार सुनने के पश्चात नशे को त्याग दिया। श्रीनगर क्षेत्र में सुसमाचार कार्य प्रारम्भ किया गया और 21 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। बादशाहपुर क्षेत्र के लोग सुसमाचार सुनने में रूचि ले रहे हैं।

प्रार्थना करें: बहन रेबती जो किडनी के रोग से

ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। आकाश सिंह राणा रक्त संक्रमण से ग्रसित हैं। मातीचूर क्षेत्र के दबोरा समूह के सदस्यों के माध्यम से परमेश्वर का वचन आसपास के गाँव में परमेश्वर का वचन पहुँचने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हरियाणा

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई जगमाल जो पिछले 3 वर्षों से पाइल्स के रोग से ग्रसित थे, उन्हें पूर्ण चंगाई मिली। इस क्षेत्र आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु यीशु के लिये स्वयं को समर्पित किया। इस प्रांत में आयोजित युवाओं की सभा में 15 युवाओं ने पश्चाताप किया। 10 परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुये।

प्रार्थना करें: बहन मनीषा जो दौरे पड़ने के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये। इस क्षेत्र में बोया गया परमेश्वर का वचन लोगों के हृदय में कार्य करने के लिये। इस क्षेत्र में चलने वाली युवाओं की सभा के लिये। इस कार्यक्षेत्र के लोगों को मेगाफोन और रात्रि लैंप प्राप्त होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

दिल्ली

परमेश्वर की स्तुति हो: 16 लोग आराधना समूह में शामिल हुए। इस क्षेत्र में आयोजित किए गए युवाओं की सभा में 18 लोग शामिल हुये। इस क्षेत्र में आयोजित महिलाओं की सभाएं फलवंत हो रही है।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र के लोग जहरीली और दूषित हवा से सूरक्षित रहने के लिये। आराधना समूह में शामिल होने वाले युवाओं की उच्च शिक्षा और नौकरी के अवसरों के लिये। ज़ूम ऐप के माध्यम से परमेश्वर का वचन सिखने वाले युवाओं के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान

परमेश्वर की स्तुति हो: 29 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। महावीर

का परिवार इस क्षेत्र में सुसमाचार कार्य के लिये शांति का पात्र है। युवा नाना ने सुसमाचार सुना और शराब छोड़ दिया। भाई महेश जो पिछले 6 वर्षों से दुष्टात्मा के चुंगल में थे, प्रभु यीशु के नाम में उन्हें छुटकारा मिला।

प्रार्थना करें: सेलाज क्षेत्र में जो परिवार नशे के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। बहन सुगना जो पिछले 6 वर्षों से निसंतान हैं, उन्हें बच्चे की आशीष प्राप्त होने के लिये। बोरकुंडा और मोतिया क्षेत्र में सुसमाचार में रूचि लेने वाले लोगों के लिये। इस क्षेत्र निरंतर चलने वाली खोजियों की सभा के माध्यम नयी आत्माएं मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – लखनऊ प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: सुखदेव कुमार को कुष्ठ रोग से चंगाई मिली। 2 लोग मदारीपुर विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। 15 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। इस क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये प्रारंभिक कार्य शुरू किया गया।

प्रार्थना करें: चिंतापुरवा की गवाही के माध्यम से कई लोगों का उद्धार होने के लिये। शकनरपुर के ग्रामीणों के उद्धार के लिये प्रार्थना करें। सुरेंद्र के परिवार को बच्चे की आशीष मिलने के लिये। शंकरपुर क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – भोजपुरी प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: 46 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोग विश्वासियों की संगति में शामिल हुए। 2 क्षेत्रों में सेवकाई प्रारम्भ की गई। 36 परिवारों ने पहली बार परमेश्वर का वचन सुना।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
मध्य प्रदेश – 1

प्रार्थना करें: खेतलपुर क्षेत्र के लोगों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। 3 क्षेत्रों की महिलाएं जो उचित रोजगार का अवसर प्राप्त करने के लिये अपनी सिलाई कक्षाएं पूरी कर रही हैं। 3 आराधना समूहों के लिये आराधना भवन के निर्माण के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

बिहार

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में कई लोगों ने पहली बार परमेश्वर का वचन सुना। इस क्षेत्र में आयोजित मगही मेला के माध्यम से कई लोग आशीषित हुए। 16 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। बिहार क्षेत्र के 5 जिलों में सेवकाई के लिये नए सम्पर्कों के लिये प्रभु की स्तुति हो।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
त्रिपुरा – 5

प्रार्थना करें: नक्कीचक क्षेत्र के विश्वासी जो आराधना भवन के समर्पण सभा के लिये तैयार हो रहे हैं। 35 कार्यक्षेत्रों में सामाजिक विकास कार्यक्रम प्रारम्भ करने के लिये किए गए प्रयासों के लिये। बपतिस्में के लिये तैयार लोगों के लिये। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने स्वयं को प्रभु के प्रति समर्पित किया, वे आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

सिक्किम

परमेश्वर की स्तुति हो: पेमडाइम जो पिछले 7 वर्षों से दुष्टात्मा के चंगुल में थे, प्रभु यीशु के नाम में उन्हें छुटकारा मिला। धनकुमार और बुद्ध लिंबू के परिवार सुसमाचार के द्वारा आशीषित हुए। लुगांग और दारागाँव क्षेत्र के लोग सुसमाचार में रूचि ले रहे हैं। 5 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुये।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
उत्तर प्रदेश – 16

प्रार्थना करें: लागे और सिदीबुंग गाँव में आराधना समूह प्रारम्भ करने के लिये किए गए प्रयासों के

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
बिहार – 5

लिये। भालुथांग और ऊपरी रिम्बी पर्वत क्षेत्र से पूर्णकालीन सेवक आने के लिये। बहादुर के परिवार को अपने विश्वास के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

असम

परमेश्वर की स्तुति हो: 12 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 17 लोग बाइबल अध्ययन समूह में शामिल हुये। कसंग के परिवार को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। बकरिंगेंगटी के ग्रामीण परमेश्वर का वचन सुनने में रूचि ले रहे हैं।

प्रार्थना करें: मोंटू पेगु जो लकवे के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये। ताराचुक और लोखीगाँव क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये। पटाकाटा प्रांत में जो नशे के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
मणिपुर – 2

मणिपुर

परमेश्वर की स्तुति हो: सुरेश सिंघा का घर बाइबल अध्ययन केन्द्र बना। पिबामयुम ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। बहन बीना चीनू जो अस्थमे के रोग से ग्रसित थीं, प्रार्थना के माध्यम से उन्हें पूर्ण चंगाई मिली। टेंथा खुनौ क्षेत्र में सुसमाचार के लिये द्वार खुला।

प्रार्थना करें: विश्वासी रूबीना की गवाही के माध्यम से उनके परिवार का उद्धार होने के लिये। 5 परिवार जिन्हें अपने विश्वास के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
झारखण्ड – 5

झारखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: बनारी क्षेत्र में आयोजित रात्रि सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु के प्रेम

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
छत्तीसगढ़ – 5

को जाना। मुंडरी विश्वासियों के मध्य आयोजित मेले के माध्यम से 7 गाँव में सेवकाई का अवसर बढ़ा। काटवा क्षेत्र में बोये गए परमेश्वर के वचन के माध्यम से 25 आत्माऐं लाभान्वित हुईं। 24 लोगो ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: तेंदार गाँव में आराधना केन्द्र के निर्माण के लिये। कसमार क्षेत्र में प्रारम्भ किया गया आराधना समूह परमेश्वर के वचन में दृढ़ होने के लिये। लातेहार क्षेत्र के विश्वासी प्रभु के विश्वास में दृढ़ बने रहने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
आन्ध्र प्रदेश – 14

परमेश्वर की स्तुति हो: महुवादरहा क्षेत्र में प्रभु की आराधना प्रारम्भ की गयी। 41 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया और आराधना समूह में शामिल हुये। सीता लकड़ा के परिवार को 8 वर्षों के बाद प्रार्थना के माध्यम से बच्चे की आशीष मिली और वे दूसरों के साथ अपनी गवाही बाँट रहे हैं।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र के दो सेवकों को दुर्गम क्षेत्रों में सेवकाई के लिये दोपहिया वाहन की आवश्यकता है। राज बंजारे जो नशे के आदी है, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। लमदंड और मुराटिकरा गाँव में आराधना समूह प्रारम्भ होने के लिये। पटादी क्षेत्र के विश्वासियों के माध्यम से लोग परमेश्वर के प्रेम को जानने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – रायपुर प्रांत

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
पश्चिम बंगाल – 8

परमेश्वर की स्तुति हो: लाटुवा और मोहतारा गाँव में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ किया गया। 3 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। विश्वासी बहन सावित्री रात्रे अपने चंगे होने की गवाही दूसरों के साथ बाँट रही हैं।

प्रार्थना करें: अभनपुर क्षेत्र में आयोजित होने वाले

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
ओडिशा – 25

सामाजिक विकास कार्यक्रमों के लिये। गुल्लू क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये उचित भूमि प्राप्त होने के लिये। भूपेन्द्र और गंगाबाई जो बीमार हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। सारंगढ – भिलाईगढ़ जिले के दुर्गम क्षेत्रों में पूर्णकालीन सेवकों की आवश्यकता के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: लेखराम का घर बाइबल अध्ययन केन्द्र बना। इस क्षेत्र में सेवकाई फलवंत हो रही है। 3 परिवार आराधना समूह में शामिल हुये। 8 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
तेलंगाना – 2

प्रार्थना करें: विश्वासी आकाश की गवाही के माध्यम से बहुत से लोगों का उद्धार होने के लिये। भोपाल कार्यालय में कार्यरत बहन ग्रेसी को कैंसर के रोग से पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। सुनेहरा ग्रामीणों के मध्य में प्रभु की शान्ति होने के लिये। बपतिस्में के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

महाराष्ट्र

परमेश्वर की स्तुति हो: 55 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 36 बहनों ने अपनी सिलाई कक्षाएं पूर्ण की। सुलेज़ारी और डेगलूर क्षेत्र में नए सम्पर्क प्राप्त हुए।

प्रार्थना करें: विश्वासी मोहन रामटेके और शिवराज दादाराव और उनके परिवार प्रभु के विश्वास में दृढ़ होने के लिये। कनपा, शंकरपुर और शीतलपाड़ा क्षेत्र में प्रारम्भ की गयी सेवकाई फलवंत होने के लिये। सोनेगाँव क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के लिये। वालंडी और अमीरज़ा क्षेत्र में खोजियों की सभा निरंतर चलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

गाँव जो पहली बार क्रिसमस उत्सव मना रहे हैं
असम – 1

वर्तमान समाचार...

भारत स्वास्थ्य देखभाल की अचल संपत्ति की भारी कमी से जूझ रहा है, जिससे इसकी मौजूदा आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त दो अरब वर्ग फूट की आवश्यकता है। देश का वर्तमान बिस्तर से जनसंख्या के हिसाब के अनुपात प्रति 1000 लोगों पर 1.3 बिस्तर है, जो स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढाँचें मे एक महत्वपूर्ण कमी को दर्शाता है। रिर्पोट इस बात पर जोर देती है कि भारत को प्रति 1000 लोगों पर 1.7 बिस्तरों की कमी का सामना करना पड़ता है, जिससे 1.42 अरब की मौजूदा आबादी को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 2.4 मिलीयन बिस्तरों की आवश्यकता होती है।

हे स्वर्गीय चंगाई देने वाले प्रभु, हमारे राष्ट्र की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर!

एक अभूतपर्व खोज में, वैज्ञानिकों ने अरूणाचल प्रदेश के हरे–भरे परिदृश्य मे "म्यूजिक मेंढक" की एक नई प्रजाति की पहचान की है। रूपात्मक, आणविक और ध्वनिक साक्ष्यों से युक्त व्यापक विश्लेषण पर आधारित यह खोज निदिराना जीन्स के पहले से अपरिचित सदस्य पर प्रकाश डालती है।

हे सभी प्राणियों के स्वामी, हम आपकी स्तुति करते हैं,
क्योंकि आपके कार्यों की थाह नहीं ली जा सकती!

दक्षिणी राज्यों में 42 जलाशयों की केन्द्रीय जल आयोग की हालिया रिर्पोट की निगरानी से एक परमेश्वर करने वाले कारण का पता चलता है। सितंबर 2023 में, पानी का भंडार कुल भंडारण क्षमता का 48 प्रतिशत था, जो अक्टूबर में गिरकर 46 प्रतिशत हो गया और नवंबर में और भी कम होकर 44 प्रतिशत हो गया है। यह पिछले वर्ष से बिल्कुल विपरीत है जब लगभग उसी समय जल भंडार 87 प्रतिशत था। दक्षिण–पश्चिम मानसून के दौरान अंतर–मौसमी वर्षा परिवर्तनशीलता के कारण दक्षिणी भारत में महत्वपूर्ण कमी हुई। अक्टूबर जो कि वर्षा के लिए एक महत्वपूर्ण महीना है, 123 वर्षों में छठी बार सबसे शुष्क स्थिति देखा गया, जिससे पानी की कमी की स्थिति और गंभीर हो गई है।

हे परम पिता परमेश्वर, हम आपसे निवेदन करते हैं कि आवश्यक वर्षा प्रदान करें!

सेवा के लिए सम्पर्क करें

JAMMU: Vishwa Vani, C/o Ashirwad Bhawan, H.NO. 165, Lane-2, Christian Colony, New Plot, Jammu-180005. Mobile No- 9469289692, 9419287712.

PUNJAB/HP: Vishwa Vani, C/o Dr. Sony Astha Dental lab, 2-A, Ward No-13, Dev Nagari, Near Hossana Church, Behind Dr. Rajpal Hospital Camini, Pathankot, Punjab- 145001, Mobile No-9915651260.

UTTRAKHAND: Vishwa Vani, Vill. Gorakhpur Aarkediya Grant, Christian Colony Near Methodist Church Water Tank, P.o Badowala Prem Nagar, District Dehradun, Uttarakhand - 248007, Mobile: 9557968104.

DELHI: Vishwa Vani, F-11, First Floor, Vishwakarma Colony, M.B. Road, New Delhi - 110044, Ph: 0129- 4838657; Mobile No: 9910762447.

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, Raj Villa 11/32/1 Indira Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh - 226016 Mobile No- 8687951286.

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, C/o Vivek Singh (Advocate), H.No-D-65/423, C-8, Rana Nagar Colony, Near Scion Public School, Lagaratara, Varanasi, Uttar Pradesh-221002, Mobile No: 8115123799

RAJASTHAN: Vishwa Vani, Mission Compound, Banswara, Rajasthan - 327001, Mobile No- 9414725164.

RAJASTHAN: Vishwa Vani, C/o Abhram Ninama, 29, Jaldarshan Complex, Sanjay Park, Rani Road, Udaipur, Rajasthan - 313001, Mobile No-9602385024.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, 2/6-A, Sarvajan Colony, Akbarpur Nayapura, Kolar Road,Bhopal, Madhya Pradesh - 462042, Mobile No - 9770252588.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, C/o Mrs. Neena singh, 146 M.C.I. Colony, Near Anchal Vihar Katanga, Jabalpur, Madhya Pradesh - 482001, Mobile: 7722916665.

BIHAR: Vishwa Vani, CA/59, Near Malahi Pakri Chowk, PC Colony, Kankarbagh, Patna, Bihar-800020, Mobile No- 9110966419; 9337652667.

JHARKHAND: Vishwa Vani, C/o Kachhap Niwas, Bodra Lane Nayatoli. H.B.Road,Ranchi, Jharkhand - 834001. Mobile No-9431927472; 7909013933.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, H.No. D- 4, Shatabadi Nagar, Telibandha, Post- Ravi Gram, Raipur 492006, Chhattisgarh, Mobile No. 9826452343, 7879125657.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, Thomson Villa, H.NO-58, Ward No-17, Mission Road Bhojpur, Champa, Dist-Janjgir-Champa, Chhattisgarh - 495671, Mobile No:7987020083; 9926176754.

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2021-2023 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.12.2023
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2021-2023
Return Requested: VISHWAVANI SAMARPAN
1-10-28/247, Anandapuram,
ECIL Post, Hyderabad-500062.

2023 में जन्में सभी क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और 149 नए आराधना समूहों की ओर से आपको क्रिसमस और नव वर्ष की शुभकामनाएं

आप नए आराधना भवन जो हमने कार्यक्षेत्र के आधार से

BADAPADA, ODISHA - 15.10.23

BASANTPUR, ODISHA - 05.11.23

BURRATHOGU, A.P. - 16.10.23

ELISHAPURAM, A.P. - 05.11.23

PULAKUNTA, A.P. - 22.10.23

DEBPARA, WEST BENGAL - 19.11.23

THALABIRADA, A.P. - 03.11.23

CHILALA, HIMACHAL PRADESH - 25.11.23

VISHWA VANI SAMARPAN - HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.12.2023**. EDITOR: P. SELVARAJ.